

भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 8] नई दिल्ली, शनिवार, फरवरी 20, 1965 (फाल्गुन 1, 1886)
No. 8] NEW DELHI, SATURDAY, FEBRUARY 20, 1965 (PHALGUNA 1, 1886)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके
Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

नोटिस

NOTICE

नीचे लिखे भारत के असाधारण राजपत्र 2 फरवरी 1965 तक प्रकाशित किए गए थे :—

The undermentioned Gazettes of India Extraordinary were published up to the 2nd February 1965 :—

अंक Issue No.	संख्या और तारीख No. and Date	द्वारा जारी किया गया Issued by	विषय Subject
11	No. 4-ITC(PN)/65 dated 2-2-65.	Min. of Commerce	Import of (i) Fruits dried, salted or preserved all sorts n.o.s. excluding Dates, (ii) Dates, (iii) Medicinal Herbs, (iv) Asafoetida and other miscellaneous items from Iran during October, 1964—March, 1965. Basic period of items removed from O.G.Ls. Nos. XLIV and XLV.
	No. 5-ITC(PN)/65 dated 2-2-65.	Do.	

उपर लिखे असाधारण राजपत्रों की प्रतियां प्रकाशन प्रबन्धक, सिविल लाइन्स, दिल्ली के नाम मांग-पत्र भेजने पर भेज दी जाएंगी। मांग-पत्र प्रबन्धक के पास इन राजपत्रों के जारी होने की तारीख से दस दिन के भीतर पहुंच जाने चाहिए।

Copies of the Gazettes Extraordinary mentioned above will be supplied on Indent to the Manager of Publications, Civil Lines Delhi. Indents should be submitted so as to reach the Manager within ten days of the date of issue of these Gazettes.

विषय-सूची

CONTENTS

पृष्ठ Pages	पृष्ठ Pages
भाग I—खंड 1—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों तथा उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधीतर नियमों, विनियमों तथा आदेशों और संकल्पों से संबंधित अधिसूचनाएं 71	भाग I—खंड 3—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी की गई विधीतर नियमों, विनियमों, आदेशों और संकल्पों से संबंधित अधिसूचनाएं —
भाग I—खंड 2—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों तथा उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई सरकारी अफसरों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि से संबंधित अधिसूचनाएं 145	भाग I—खंड 4—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी की गई अफसरों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि से संबंधित अधिसूचनाएं 93
	भाग II—खंड 1—अधिनियम, अध्यादेश और विनियम —
	भाग II—खंड 2—विधेयक और विधेयकों संबंधी प्रवर समितियों की रिपोर्टें —

	पृष्ठ Pages		पृष्ठ Pages
भाग II—खंड 3—उप-खंड (i)—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और (संघ राज्यक्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) केन्द्रीय प्राधिकारों द्वारा जारी किए गए विधि के अन्तर्गत बनाये और जारी किये गये साधारण नियम (जिनमें साधारण प्रकार के आदेश, उप-नियम आदि सम्मिलित हैं) ..	293	भाग III—खंड 2—एकस्व कार्यालय, कलकत्ता द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं और नोटिसें ..	57
भाग II—खंड 3—उप-खंड (ii)—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और (संघ राज्य क्षेत्र के प्रशासनों को छोड़कर) केन्द्रीय प्राधिकारों द्वारा विधि के अन्तर्गत बनाये और जारी किये गये आदेश और अधिसूचनाएं	659	भाग III—खंड 3—मुख्य आयुक्तों द्वारा या उनके प्राधिकार से जारी की गई अधिसूचनाएं ..	13
भाग II—खंड 4—रक्षा मंत्रालय द्वारा अधिसूचित विधिक नियम और आदेश ..	57	भाग III—खंड 4—विधिक निकायों द्वारा जारी की गई विविध अधिसूचनाएं जिनमें अधिसूचनाएं, आदेश, विज्ञापन और नोटिसें शामिल हैं ..	2323
भाग III—खंड 1—महलेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल प्रशासन, उच्च न्यायालयों और भारत सरकार के संलग्न तथा अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं ..	87	भाग IV—गैर-सरकारी व्यक्तियों और गैर-सरकारी संस्थाओं के विज्ञापन तथा नोटिसें ..	23
✓ PART I—SECTION 1.—Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations and Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court	71	पूरक सं० 8—	
✓ PART I—SECTION 2.—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave, etc., of Government Officers issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court	145	13 फरवरी, 1965 को समाप्त होने वाले सप्ताह की महामारी संबंधी साप्ताहिक रिपोर्ट ..	239
PART I—SECTION 3.—Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions, issued by the Ministry of Defence	—	23 जनवरी, 1965 को समाप्त होनेवाले सप्ताह के दौरान भारत में 30,000 तथा उससे अधिक आबादी के शहरों में जन्म, तथा बड़ी बीमारियों से हुई मृत्यु से संबंधित आंकड़े ..	249
✓ PART I—SECTION 4.—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave, etc., of Officers issued by the Ministry of Defence	93	✓ PART II—SECTION 3.—SUB-SECTION (ii).—Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than the Administrations of Union Territories) ..	659
PART II—SECTION 1.—Acts, Ordinances and Regulations	—	PART II—SECTION 4.—Statutory Rules and Orders notified by the Ministry of Defence ..	57
PART II—SECTION 2.—Bills and Reports of Select Committees on Bills	—	✓ PART III—SECTION 1.—Notifications issued by the Auditor General, Union Public Service Commission, Railway Administration, High Courts and the Attached and Subordinate Offices of the Government of India	87
✓ PART II—SECTION 3.—SUB-SECTION (i).—General Statutory Rules (including orders, bye-laws, etc. of a general character) issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than the Administrations of Union Territories) ..	293	✓ PART III—SECTION 2.—Notifications and Notices issued by the Patent Office, Calcutta ..	57
		✓ PART III—SECTION 3.—Notifications issued by or under the authority of Chief Commissioners	13
		✓ PART III—SECTION 4.—Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued by Statutory Bodies	2323
		✓ PART IV—Advertisements and Notices by Private Individuals and Private Bodies	23
		✓ SUPPLEMENT No. 8—	
		✓ Weekly Epidemiological Reports for week-ending 13th February 1965	239
		✓ Births and Deaths from Principal diseases in towns with a population of 30,000 and over in India during week-ending 23rd January 1965	249

भाग I—खण्ड 1

PART I—SECTION 1

(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों तथा उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों तथा आदेशों और संकल्पों से संबंधित अधिसूचनाएं

Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court

वाणिज्य मंत्रालय

संक्षेप

कोयले के लिए अध्ययन-दल

नई दिल्ली, दिनांक 18 जनवरी 1965

सं० 32/5/65-एम० एण्ड एफ०—भारत में कोयले के बढ़ते हुए उत्पादन के साथ भारत सरकार, निर्यात लक्ष्यों के दृष्टिकोण

से, जो कि चौथी पंचवर्षीय योजना में पूरे किये जाने हैं, कोयले के निर्यात के विकास सम्बन्धी प्रश्न पर विचार करती रही है। भारत सरकार ने अब इसके लिए एक अध्ययन-दल बनाने का निश्चय किया है।

2 शीर्षक :

अध्ययन-दल का नाम "कोयले के निर्यात के लिए अध्ययन-दल" होगा।

3 गठन

अध्ययन-दल में निम्नलिखित व्यक्ति होंगे —

- | | |
|---|------------|
| 1 डा० पी० एम० लोकनाथन, महानिदेशक
व्यावहारिक आर्थिक गवेषणा की राष्ट्रीय
परिषद् | अध्यक्ष |
| 2 श्री छेदी लाल, सयुक्त सचिव, खान तथा
धातु विभाग | सदस्य |
| 3 श्री बी० मित्तल अध्यक्ष, भारत खनन
संस्था, कलकत्ता | सदस्य |
| 4 श्री एम० के० मिन्हा, औद्योगिक सलाह-
कार, सम्भरण तथा तकनीकी विकास
विभाग | सदस्य |
| 5 श्री बी० एल० साहनी, प्रभागीय प्रबंधक,
राज्य व्यापार निगम | सदस्य |
| 6 श्री एम० पी० साधु, निदेशक (परिवहन),
वाणिज्य मंत्रालय | सदस्य-सचिव |

4 कार्य

अध्ययन-दल के विचारार्थ विषय निम्न प्रकार होंगे —

(1) निर्यात के लिए उपलब्ध कोयले के वर्ग बनाना तथा प्रत्येक बाजार के लिए लक्ष्यों को मात्रावार निर्धारित करना। अध्ययन-दल, धातु कोयले, मखन कोक (जोकि धातु-कोयले का एक सहोत्पाद है) तथा चुने हुए वर्ग ए, वर्ग बी, और वर्ग 2 एवं 3 के अनिश्चित वर्ग 1 के निर्यात की संभावनाओं का पता लगाएगा।

(2) पैरा (1) के जाच-परिणाम के अनुसार निर्यात के लिए उपलब्ध कोयले के विभिन्न वर्गों के लागत-छात्रों का संवर्धन।

(3) कोयले के परिवहन के लिए भारतीय जहाजों तथा विदेशी जहाजों पर पोत-परिवहन की जगह सहित परिवहन सुविधाओं की उपलब्धि।

(4) कुछ विशेष वर्गों के कोयले के निर्यात को सम्बद्ध आयातकों के लिए प्रतियोगितापूर्ण करने के उद्देश्य से भाड़ों में कुछ छूट देने की आवश्यकता होगी या नहीं?

(5) निर्यात करने योग्य विभिन्न वर्गों के कोयले पर स्थानीय उपकरणों, शुल्कों आदि से मुक्ति सम्बन्धी कोई सिफारिश।

(6) कम राख अंश वाले कोयले का उत्पादन करने के लिए, जिसके निर्यात की अच्छी सम्भावना है, अधान्विक कोयला-धावन में कृपायत।

(7) एजेन्सी, जो कोयले का निर्यात करने के लिए प्रयुक्त की जाए तथा खरीदारों के साथ बातचीत चलाने सम्बन्धी कार्य-विधि।

(8) क्या निर्यात के लिए आवश्यक समस्त कार्यों के लिए राष्ट्रीय कोयला विकास निगम को अवसर दिया जाए अथवा निजी कोयला खानों को?

(9) उप-पैरा (1) के अधीन निकाले गए निष्कर्षों के अनुरार निर्यात-प्रक्षेप प्राप्त करने के लिए अध्ययन-दल द्वारा की जाने वाली कोई और सिफारिश।

(10) दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों में निर्यात संभावनाओं का विशेष अध्ययन।

(11) निर्यात संवर्धन सम्बन्धी कोई विशेष कदम, जो उन देशों में उठाए जाए।

(12) अन्तर्राष्ट्रीय बाजार में कोयले की कीमतें प्रतियोगिता-त्मक करने के लिए कोयला उद्योग को दिया जाने वाला कोई विशेष प्रोत्साहन।

5 अध्ययन-दल के कार्यों को दक्षतापूर्वक निभाने के लिए, दल, परगारी अथवा गैर-सरकारी एक अथवा एक से अधिक सदस्यों का सहयोजन कर सकता है।

6 अध्ययन-दल का तीन महीनों की अवधि के अन्दर अपना प्रतिवेदन प्रस्तुत करने का प्रयास करना चाहिए।

आदेश

आदेश दिया जाता है कि मसाले को भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाए।

एम० के० मुखर्जी, सयुक्त सचिव

नई दिल्ली, दिनांक 9 फरवरी 1965

स० 13/24/63-ई० प्रापर०—भारत सुरक्षा नियम, 1962 के नियम 133-बी० के उप-नियम (1) के द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निदेश देती है कि मे० बाग-फु-कुई, नई मार्हेट, कालिम्पांग की भारत में समस्त चल तथा अचल सम्पत्ति जोकि उनके अधिकार में है या जिसका प्रबन्ध उनकी ओर में किया जाता है, जोकि भारत सरकार के भूतपूर्व अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार मंत्रालय की अधिसूचना संख्या 13/24/63-ई० प्रापर०, दिनांक 20 अगस्त 1963 के अनुसार भारत शत्रु सम्पत्ति परिष्कार के अधिकार में थी, अब उसके अधिकार में नहीं रहेगी और पूर्वोक्त मे० बाग-फु-कुई के अधिकार में पुन चली जाएगी।

डी० एन० बनर्जी, सयुक्त सचिव

उद्योग तथा सम्भरण मंत्रालय**(उद्योग विभाग)**

नई दिल्ली, दिनांक 9 फरवरी 1965

संक्षेप

स० 3-102/64-एम० इ० आई०—देश में सीमेट बनाने के सयत्न लगाने की गति को तीव्र करने की दृष्टि से भारत सरकार देश के सीमेट बनाने के सयत्नों का मानकीकरण करने की संभावना तथा उद्योग की आयात किए हुए पुर्जों आदि की आवश्यकता पर विचार कर रही है जिससे मशीन निर्माण उद्योग की निरन्तर मांग के लिए अग्रिम आर्डर दिए जा सकें तथा आयात व्यय को कम किया जा सके। सरकार का यह भी विचार है कि देश में इस्पात की प्लेटों, ठली वस्तुएं, गियर तथा मोटर इत्यादि के निर्माण की सुविधाएं उपलब्ध हो जाने से देश के सयत्नों के लिए पुर्जों का आयात धीरे-धीरे कम किया जा सकता है। अतः सरकार ने निम्नलिखित मामलों की जाच करने तथा उस पर रिपोर्ट देने के लिए एक तकनीकी समिति गठित करने का निश्चय किया है —

- 1 किम सीमा तक सीमेट सयत्नों का मानकीकरण कर सकता संभव है जिससे सयत्नों का निर्माण स्थान विशेष तथा निर्माण प्रक्रिया का निर्देश किए बिना पहले ही किया जा सकता हो,
- 2 किम सीमा तक पुर्जों का आयात किया जा सकता है जिसमें कोई भी एक अधिकरण किसी सूत्र विशेष में ऋण उपलब्ध होने की अवस्था में आयात किए जाने वाले पुर्जों की सम्पूर्ण आवश्यकता इकट्ठा आयात करके पूरी कर सकती है, और
- 3 देश में इस्पात की प्लेटों, इस्पात की ठली वस्तुओं, गियरों, अधिक क्षमता वाले मोटरों आदि के निर्माण के लिए पहले से उपलब्ध सुविधाओं का शीघ्र ही निर्धारण करना जिससे एक प्रतिमानित सयत्न के विदेशी युद्ध अंश को और भी कम किया जा सके।

समिति में निम्नलिखित व्यक्ति होंगे —

- 1 डा० बी० डी० कालेलकर उप-महानिदेशक, तकनीकी विकास महादिनेशालय अध्यक्ष

2. श्री पी० एम० नायक, संयुक्त सचिव, उद्योग विभाग

3. श्री हरबंस सिंह—उप-सचिव, उद्योग विभाग।

4. निम्नलिखित मशीन निर्माताओं के प्रतिनिधि :—

1. मे० ए० सी० सी०—ब्राइकर्स—बैबकाक लि०, 16, क्वीन्स रोड एस्टेट, बम्बई।

2. मे० इण्डियन शूगर एण्ड जनरल इंजीनियरिंग कारपोरेशन, यमुनानगर, जिला अम्बाला।

3. मे० के० सी० पी० लि०, नं० 38, माउन्ट रोड, मद्रास-6।

4. मे० बालचन्द-नगर इन्डस्ट्रीज लि०, पोस्ट आफिस बालचन्द नगर, जिला पूना।

5. मे० उत्कल मशीनरी लि०, कामबहल, राउरकेला के निकट, उड़ीसा।

6. मे० मकनल्ली बर्ड इंजीनियरिंग कम्पनी लि०, चार्टर्ड बैंक बिल्डिंग, कलकत्ता-1।

7. मे० लारमेन एण्ड सो लि०, आई० सी० हाउस, डगहाल रोड/बलार्ड एस्टेट, बम्बई-1।

5. डा० ए० जी० तन्दुलकर, बगलकोट सीमेंट कम्पनी लि०, बगलकोट। सीमेंट उद्योग के प्रतिनिधि।

श्री एस० सी० बनर्जी, विकास अधिकारी, सम्भरण तथा तकनीकी विकास विभाग समिति के सचिव होंगे। समिति मे 15 मार्च 1965 तक अपना प्रतिवेदन प्रस्तुत करने का निवेदन किया गया है।

आदेश

आदेश दिया गया कि संकल्प की एक-एक प्रति सभी संबंधित व्यक्तियों के पास भेजी जाए और सर्वसाधारण की जानकारी के लिए इसे भारत के गजट में भी प्रकाशित कराया जाए।

ओंकारनाथ मिश्र, संयुक्त सचिव

नई दिल्ली, दिनांक 11 फरवरी 1965

संशोधन

सं० 15-15/60 एम० ई० आई०—भूतपूर्व वाणिज्य तथा उद्योग मंत्रालय के संकल्प संख्या एम० ई० एण्ड 15 (15)/60, तारीख 27 मार्च 1961 में भारत में समुद्र में मछली पकड़ने वाली नावें बनाने का विकास करने के लिए निमित्त समिति के सदस्यों के नाम और व्यौरा उदाहरणतः

श्री पी० आर० देवे,
द्वारा मेसर्स एल्काक ऐशडाउन क० लि०,
बम्बई।

के स्थान पर

श्री पी० बी० भोटो,
द्वारा मेसर्स एल्काक ऐशडाउन क० लि०,
बम्बई

का नाम रख दिया जाए।

आदेश

आदेश दिया गया कि उपर्युक्त संशोधन की एक-एक प्रति सभी संबंधित व्यक्तियों के पास भेज दी जाए और इसे भारत के गजट में प्रकाशित कराया जाए।

हरबंस सिंह, उप-सचिव

स्वास्थ्य मंत्रालय

नई दिल्ली, दिनांक 5 फरवरी, 1965

संकल्प

सं० एफ० 5-51/64-स्था० स्वा० शा 1—गत मानसून के तुरन्त पश्चात् दिल्ली में हुआ जल दूषण अत्यधिक चिन्ता और चर्चा का विषय बना। नदी जल दूषण के कारणों तथा इसे रोकने के उपायों की जांच करने का निश्चय किया गया है। इस कार्य के लिये भारत सरकार ने पंजाब और उत्तर प्रदेश सरकारों से परामर्श करके एक समिति नियुक्त करने का निश्चय किया है।

2. इस समिति में निम्नलिखित पदाधिकारी होंगे।

1. स्वास्थ्य उप-मंत्री अध्यक्ष

2. श्री शिव चरण गुप्त, संसद् सदस्य सदस्य

3. श्री आई० के० गुजराल संसद् सदस्य सदस्य

4. डा० एम० एस० चट्टा, स्वास्थ्य सेवाओं का महानिदेशक, (अवकाश पर) सदस्य

5. उपाध्यक्ष, दिल्ली विकास प्राधिकार सदस्य

6. श्री एन० वी० मोदक, कन्सल्टिंग इंजीनियर बम्बई। सदस्य

7. दिल्ली नगर निगम जल प्रदाय एवं मल निष्कासन समिति का मनोनीत प्रतिनिधि सदस्य

8. श्री ए० के० राय, चीफ इंजीनियर, स्थानीय स्वास्थ्य शासन, इंजीनियर, विभाग, उत्तर प्रदेश सदस्य

9. श्री आई० एन० मेहता, चीफ इंजीनियर, जन-स्वास्थ्य इंजीनियरिंग विभाग, पंजाब सदस्य

10. श्री बलबन्त सिंह, चीफ इंजीनियर (जल) दिल्ली नगर निगम सदस्य

11. श्री सी० एल० हाण्डा, सदस्य (नामित) केन्द्रीय जल एवं विद्युत आयोग, सिचाई एवं विद्युत मंत्रालय, नई दिल्ली। सदस्य

12. श्री टी० दोराइराज, सहायक महा-निदेशक (पी० एच० ई०) सदस्य-सचिव

निर्देश पद इस प्रकार होंगे :—

(1) सितम्बर 1964 के प्रारम्भ में नदी जल दूषण के कारणों तथा उसके स्वरूप का निरीक्षण करना।

(2) यह जानना कि क्या दूषण रोका जा सकता है या नहीं। यदि हां, तो क्या सम्बन्धित अथारिटी द्वारा उठाये गये कदम उचित और पर्याप्त हैं या नहीं। यदि नहीं तो यह उत्तरदायित्व किस का है।

(3) दिल्ली में शुद्ध पेय के निरंतर संभरण को सुनिश्चित करने के लिये अपेक्षित उपाय सुझाना।

(4) इस संबंध में प्रासंगिक समझा जाने वाला और कोई विषय।

3. समिति का मुख्यालय नई दिल्ली में होगा।

4. समिति आवश्यकतानुसार अपनी बैठक करेगी और अपनी बैठकों में ऐसे अन्य अधिकारियों को आमंत्रित कर सकती है जिन्हें वह आवश्यक समझे।

5. समिति अपनी रिपोर्ट 31 मार्च, 1965 तक प्रस्तुत कर देगी।

आवेश

आदेश दिया जाता है कि इस मकल्प की प्रति पंजाब, और उत्तर प्रदेश राज्य सरकारों, दिल्ली सभ क्षेत्र, दिल्ली नगर निगम, मसद् कार्य विभाग, लोक सभा और राज्य सभा सचिवालय, दिल्ली विकास प्राधिकार, भारत सरकार के सभी मन्त्रालय, प्रधान मंत्री सचिवालय, राष्ट्रपति के निजी एवं सैनिक सचिव, मन्त्रिमंडल सचिवालय, कन्ट्रोलर एण्ड आडिटर जनरल आफ इण्डिया और योजना आयोग को सूचनार्थ भेजी जाय ।

आदेश दिया जाता है कि यह सकल्प भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाय । तथा पञ्जाब और उत्तर प्रदेश की राज्य सरकारों से अनुरोध किया जाय कि वे इसे सार्वजनिक सूचना के लिए राज्य राजपत्रों में प्रकाशित कर ।

२० क० रामध्यानी, सचिव

नई दिल्ली, दिनांक 6 फरवरी, 1965

सकल्प

स० एफ० 12-28/63-एफ० पी० 11—परिवार नियोजन कार्यक्रम मूल्यांकन एवं योजना समिति के गठन के बारे में इस

मंत्रालय के संकल्प सख्या एफ० ११२-२८/६३-एफ० पी० II २७ जुलाई १९६३, २५ मार्च, ३१ जलाई, २४ अक्तूबर और ३० दिसम्बर, १९६४ में आंशिक परिवर्तन करते हुये अब निश्चय किया गया है कि यह समिति ३१ दिसम्बर, १९६४ की वजाये अपना प्रतिवेदन ३१ मार्च १९६५ को प्रस्तुत करेगी।

एम० के० कुट्टी, उप-सचिव

खाद्य और कृषि मंत्रालय

(कृषि विभाग)

नई दिल्ली, दिनांक 10 फरवरी 1965

स० 7-22/64-एल० डी०—केन्द्रीय गौसंवर्धन परिषद् के उपनियमों के उपनियम XII (4) के उपबन्ध के अनुसार, भारत सरकार इस परिषद् के वित्तीय वर्ष 1963-64 की आय और भुगतान के लेखों को लेखा परीक्षक की रिपोर्ट सहित सामान्य जानकारी के लिए सहर्ष प्रकाशित करनी है।

के० सी० सरकार, अवर सचिव

1963-64 वर्ष की आय और भूगतान का विवरण

अथशेष और आय			व्यय और इतिशेष		
1 अथशेष			1 गोसंवर्धन के सम्बन्ध में किये गए कार्य		
(क) स्टेट बैंक आफ इंडिया, नई दिल्ली के चालू लेखा मे	15,926-06		ख—विकास योजनाएं (योजना)		
(ख) सचिव के पास नकद	500-00	16,426-06	1 गैर-सरकारी एजेंसियों द्वारा सीमा-क्षेत्रों में पशु-विकास कार्य के लिए आदेश योजनाएं	--	5,000-00
2 राज्य सरकारों / भारत सरकार से अनुदान के रूप में प्राप्त हुए			2 शहरों में शुष्क पशुओं का उद्धार	--	14 400-00
(क) भारत सरकार	--	9,85 000-00			
3 पिछले वर्षों में राज्यों को जो अनुदान-सहायता दी गई उसका व्यय न किया हुआ शेष वापिस	--	88,787-12	3 जंगली आवारा और अनुत्पादित पशुओं पर नियंत्रण करने के लिए योजना :		
			(क) जंगली आवारा पशु पकड़ने की योजना	30,175-10	
			(ख) प्रजनन भांडों का सभारण	2 965-00	33 140-10
4 जरमलाया स्थापित करने के लिए खादी तथा ग्रामोद्योग आयोग से अनुदान-सहायता	--	20 000-00	4 आदर्श गोसदनो की स्थापना		
			(क) गुलरभाज	82,793-07	
			(ख) दिलावरौ	1,19,050-02	2,01 843-09
5 सोसाइटी से प्राप्त हुए अन्य रुपये			5 वृद्ध उत्पादन प्रति-योगिताएं	--	13,640-66
(क) पत्रिका से प्राप्ति					
1. विज्ञापन	4,843-70	--			
2. शुल्क	9,130-35	13,974-05	कुल विकास योजनाएं (योजना)	--	2,68,023-85
(ख) आदर्श गोसदनो से प्राप्ति					
1 गुलरभोज	31,291-10	--	ख—अन्य योजनाएं (योजना)		
2. दिलावरौ	6,923-36	38,214-46	6. प्राकृतिक विपत्तियो		
(ग) विविध प्राप्ति					
1 सक्कारी अभिम पर व्याज	47-71	--			
2. विविध प्राप्ति	3,006-14	3,053-85			

अवशेष और आय			व्यय और इतिशेष		
(घ) अग्रिम राशि की वापसी			के दौरान पशु-पालकों को सहायता (जैसे अकाल तथा बाढ़)		
1 सवारी पेशगी	3,709-61	—	—	—	3 60,000-00
2 न्योहार पेशगी	2,270-00	5,979-61	नान-प्लान योजनाएं :—		
(ङ) जमानत प्राप्त हुई			2,007-00	1. जनता में उत्साह उत्पन्न करने के लिए योजनाएं :—	
			(क) गोसंवर्धन सप्ताह समारोह		
			54,364-94	—	
			(ख) प्रदर्शनी एकक	56,781-11	1,11,146-05
			2. शिक्षा तथा प्रशिक्षण		
			(क) गोशाला प्रबंधकों को प्रशिक्षण		
			1 करनाल	3,537-48	—
			2. जयपुर	24,542-34	28,079-82
			3. प्रचार और विज्ञापन		
			(क) गोसंवर्धन पत्रिका	42,992-30	—
			(ख) पुस्तिकाओं और पत्रिकाओं का निर्गम	2,499-62	45,491-92
			4. ट्रान्जिट कैम्पों की स्थापना		
			(क) दिल्ली	8,372-09	—
			(ख) करनाल	6,148-98	14,521-07
			योजना तथा नान-प्लान स्कीम्स के लिए कुल		
			8,27,262-71		
II. प्रशासन					
			1. अफसरों का वेतन		
			17,631-72		
			2. सिब्बन्दी का वेतन		
			58,198-01		
			3. छुट्टी का वेतन और पेंशन अंशदान		
			7,179-00		
			4. भविष्य-निधि अंशदान		
			3,770-00		
भत्ते और मासवेय					
			1. यात्रा भत्ते	21,047-61	
			2. सहृणार्द्ध भत्ते	7,568-92	
			3. मकान किराया तथा अन्य भत्ते	22,348-16	
			4. सी० एच० एम० अंशदान	4,175-91	55,140-60
			कुल वेतन और भत्ते		
			— 1,41,919-93		
6. फुटकर व्यय					
			(क) कार्यालय का किराया जिसमें पानी और बिजली का खर्च भी शामिल है		
			14,530-08		
			(ख) डाक, तार और टेलीफोन का खर्च		
			10,241-43		

अथशेष और आय		व्यय और इतिशेष	
	(ग) पुस्तकें और प्रका- शन	64-85	
	(घ) लेखन सामग्री तथा फार्म	7,107-84	
	(ङ) छपाई और विज्ञा- पन	435-87	
	(च) कार्यालय के खर्च तथा विविध खर्च	10,211-67	
11,73,512-15	(छ) टाइपराइटर	317-95	
	(ज) फर्नीचर	522-40	
	(1) स्टाफ कार	4,534-01	47,966-10
	कुल प्रशामन	—	1 89,886-03
III—गैर-सरकारी सदस्यों को यात्रा भत्ते			
			21,412-15
IV—जमा और अग्रिम राशि			
			4,999-00
V—पिछले वर्ष दी गई सर- कारी अनुदान सहायता का व्यय न किया हुआ शेषधन भारत सरकार को वापिस			
			16,426-06
VI—भारत सरकार को उस अनुदान की वापिसी जो कि खर्च न होने के कारण राज्य सरकारों द्वारा वापिस कर दिया गया			
			88,787-12
	कुल I से VI		11,48,773-07
इतिशेष —			
	1 स्टेट बैंक आफ इंडिया के साथ		24,239-08
	2 सचिव के पास नकद		500-00
कुल	11,73,512-15		11,73,512-15
	रुपए		रुपए

हस्ताक्षर—(पी० सी० बाजपेई)

सहायक सचिव

केन्द्रीय गोसवर्धन परिषद्

17/4/1964

हस्ताक्षर—(पी० भट्टाचार्य)

कार्यालय सचिव

केन्द्रीय गोसवर्धन परिषद्

18/4/1964

लेखा परीक्षक का प्रमाण-पत्र

मैंने उपरोक्त लेखा का परीक्षण किया है और अपेक्षित सभी जानकारी और स्पष्टीकरण प्राप्त किए हैं तथा पृथक लेखा परी-
क्षक रिपोर्ट में टिप्पणियों को दृष्टि में रखते हुए अपने परीक्षण के परिणामस्वरूप, जहां तक मुझे दी गई और परिषद् की
पुस्तकों में दिखाई गई जानकारी और स्पष्टीकरणों का सम्बन्ध है, उनके अनुसार मैं प्रमाणित करता हूँ कि मेरी राय में ये लेखे
उचित रूप में तैयार किए गए हैं, जिसमें परिषद् की कार्यवाही की यथार्थ और उचित स्थिति प्रदर्शित होती है।

नई दिल्ली

29-4-1964

हस्ताक्षर—(डी० पी० जैन)

उप-महा लेखाकार

नई दिल्ली, दिनांक फरवरी 1965

शुद्धि-पत्र

सं० 2-2/65-एफ० ए० एम० ई०—भारत सरकार, खाद्य और कृषि मंत्रालय (कृषि विभाग) के प्रस्ताव संख्या 6-16/60-मी० (ई०), दिनांक 6 सितम्बर 1960, जिसमें समय-समय पर मशोधन हुए हैं, में भूख से छुटकारा अभियान की राष्ट्रीय अभियान समिति तथा इसके प्रबन्ध मण्डल के गठन में निम्नलिखित संशोधन किए जाते हैं :—

(i) राष्ट्रीय अभियान समिति का गठन

“अन्य निकायों के प्रतिनिधि” के शीर्षक के नीचे निम्न को जोड़ा जाए :—

“18 निदेशक, केन्द्रीय खाद्य तकनीकलौजिकल संस्थान, मैसूर अथवा उनका मनोनीत किया हुआ व्यक्ति” ।

(ii) प्रबंध मण्डल का गठन

“सदस्य” के शीर्षक के नीचे निम्न को जोड़ा जाए :—

“11. निदेशक, केन्द्रीय खाद्य तकनीकलौजिकल संस्थान, मैसूर अथवा उनका मनोनीत किया हुआ व्यक्ति” ।

आदेश

आदेश दिया जाता है कि इसकी एक प्रतिलिपि समस्त राज्य सरकारों, लोकसभा सचिवालय, राज्य सभा सचिवालय, संसद्-कार्य अनुभाग, राष्ट्रपति के निजी तथा सैनिक सचिव, मन्त्रिमण्डल सचिवालय, प्रधानमंत्री सचिवालय, भारत के महा लेखा परीक्षक, योजना आयोग तथा भारत सरकार के समस्त मन्त्रालयों को भेजी जाए ।

यह भी आदेश दिया जाता है कि सर्व-साधारण की जानकारी के लिए इसे भारत सरकार राजपत्र के में प्रकाशित कर दिया जाए ।
जे० एस० मोंगिया, उप-सचिव

परिवहन मंत्रालय

(परिवहन पक्ष)

पत्तन

संस्थाप

नई दिल्ली, दिनांक 9 फरवरी 1965

सं० 7-पी० जी० (15)/64—मारमुगाओ पत्तन की 1962-63 की प्रशासनिक रिपोर्ट भारत सरकार को प्राप्त हो गई है । रिपोर्ट के उल्लेखनीय तथ्य नीचे दिए जाते हैं :—

1— **वित्तीय स्थिति** : विचाराधीन वर्ष में मारमुगाओ पत्तन का कुल राजस्व 125.74 लाख रुपया था (जिसमें कनहारी खाते की आय भी शामिल है) इसके विपरीत 1961-62 में 153.56 लाख रुपया आय हुई थी । राजस्व आय में कमी होने का कारण यह था कि कच्चे लोहे के निर्यात तथा सामान्य माल के आयात और रेल द्वारा लाए ले जाये जाने वाले कच्चे लोहे के कुल टन भार में कमी हुई ।

1962-63 में 64.27 लाख रुपया व्यय हुआ । इसके विपरीत पिछले वर्ष 81.88 लाख रुपया व्यय हुआ था । 1961-62 की 81.88 लाख रुपए की व्यय राशि में भूतपूर्व पोर्तुगाल सरकार द्वारा विकास कार्यों के लिए बनाई गई निधि को दी गई लगभग 24 लाख रुपए की राशि भी शामिल थी । 1961-62 और 1962-63 में पत्तन ने क्रमशः 71.68 लाख रुपए और 61.47 लाख रुपए का अधिशेष दिखाया ।

उक्त व्यय राशि में पूजा व ऋण पर दिया गया व्याज तथा आरक्षित निधियों में रखी गई राशियां शामिल नहीं हैं । 1962-63 में बनाई गई राजस्व आरक्षित निधियों में 71.68 लाख रुपए का अंशदान दिया गया ।

2— **यातायात** : विचाराधीन वर्ष में मारमुगाओ बंदरगाह से 53,87,669 टन माल उतारा तथा लादा गया । इसके विपरीत

पिछले वर्ष यह राशि 64,09,924 टन थी । यातायात की राशि अलग-अलग नीचे दी जा रही है :—

	1961-62	1962-63
आयात	1,62,473	1,12,077
निर्यात	62,47,451	52,69,592

आयात में कमी होने का कारण यह था कि विचाराधीन अर्धवर्ष में कोयले का आयात नहीं हुआ । चूंकि अब गोआ की आवश्यकताएं देश का शेष भाग पूरा करना है इसलिए विदेशों से भी माल के आयात में क्रमिक कमी हुई है । विश्व में कच्ची धातु के बाजार में सामान्य गिरावट आने के कारण पिछले वर्ष की तुलना में इस वर्ष कच्ची धातु के निर्यात में कमी हुई ।

3— **बेतुल का व्यापार** : 1962-63 में बेतुल से 1,46,660 टन कच्ची धातु निर्यात की गई । इसके विपरीत 1961-62 में 52,251 टन कच्ची धातु निर्यात की गई थी ।

4— **नौवहन** : 1962-63 में कुल 45,72,007 टन भार के 622 जहाज इस बन्दरगाह पर आए । इसके विपरीत 1961-62 में कुल 48,33,294 टन भार के 677 जहाज आए थे ।

5— **पूँजीगत कार्य** : 1962-63 में पूँजीगत कार्यों पर 15.70 लाख रुपए व्यय किए गए । इसकी तुलना में 1961-62 में 5.70 लाख रुपए व्यय किए गए थे । विचाराधीन वर्ष में निम्नलिखित निर्माण कार्यों पर खर्च किया गया :—

निर्माण कार्य	व्यय राशि (रुपए लाखों में)
ढलाई-घर की इमारत का निर्माण	0.20
वर्कशॉप की इमारत का विस्तार	0.85
घाटो के फर्श	0.37
मजोरदा में मजदूरों के क्वार्टर	0.43
घाट नं० 7 के पास जल निकास योजना	0.70
वास्को-डा-गामा में रास्ते के ऊपर 1/7-8 मील पर एक पुल का निर्माण	0.03
प्रदेश जलमार्ग और बेसिन का निकर्षण	13.12

6— **पत्तन रेल** : देश के शेष भाग से पुनः रेल व्यवस्था के आरम्भ होने से पत्तन प्रशासन द्वारा रेल के जिस भाग की व्यवस्था की जाती है उसमें यात्रियों की संख्या, पारसलों और माल के याता-यात में बहुत वृद्धि हुई । रेल द्वारा आने-जाने वाले यात्रियों की संख्या में तब से और अधिक वृद्धि हुई जब से गोआ में परमिट द्वारा आने की प्रथा दूर की गई ।

आवृंश

आदेश दिया गया है कि इस संस्ताव की एक-एक प्रति सभी संबंधित कार्यालयों, अधिकारियों आदि को भेज दी जाए ।

यह भी आदेश दिया गया है कि इस संस्ताव को सामान्य सूचना के लिए भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाए ।

दिनांक 10 फरवरी 1965

सं० 17-पी० जी० (53)/64—विशाखापत्तनम पत्तन की 1963-64 की प्रशामनिक रिपोर्ट भारत सरकार को मिल गई है । रिपोर्ट के उल्लेखनीय तथ्य नीचे दिए जा रहे हैं :—

1— वित्तीय परिणाम :

(क) **पत्तन निधि** : इस वर्ष पत्तन की राजस्व आय (कन-हारीखाते और विनिष्ट आय को छोड़कर) 216.96 लाख रुपए हुई । में इसकी तलना 1962-63 में 184.68 लाख रुपये की आय हुई थी । आय में वृद्धि होने का मुख्य कारण यह था कि कच्चे लोहे, मैंगनीज धातुक आदि का अधिक निर्यात और मशीन के भागों, लोहा और इस्पात और भारी सामान का अधिक आयात हुआ ।

विचारार्थीन वर्ष में 143.33 लाख रुपए व्यय हुआ (जिसमें विशिष्ट व्यय और कनहारी खाते का व्यय शामिल नहीं है)। इसके विपरीत 1962-63 में 175.20 लाख रुपया व्यय हुआ था। पिछले साल अधिक व्यय होने का मुख्य कारण यह था कि पिछले वर्ष संशोधित (द्वितीय वेतन आयोग) वेतन-क्रम लागू किए गए तथा एस० डी० 'विषाखा' की विशेष भरभमत पर व्यय किया गया।

(ख) कनहारी खाता : कनहारी खाते के अन्तर्गत 1963-64 में कुल आय तथा व्यय क्रमशः 3.09 लाख रुपया और 2.09 लाख रुपया हुआ। इस प्रकार इस वर्ष 1 लाख रुपए का अधिशेष रहा।

(ग) आरक्षित निधियाँ : इस वर्ष के अन्त में विभिन्न निधियों में शेष संतोषजनक रहा।

2- यातायात :

(क) व्यापार : 1963-64 में इस पत्तन द्वारा हुए व्यापार में कुल 18.49 लाख टन भार का आयात हुआ। इसके विपरीत पिछले वर्ष 17.18 लाख टन भार आयात किया गया था। इस प्रकार इस वर्ष 1.31 लाख टन भार अधिक आयात किया गया। आयात में वृद्धि का मुख्य कारण यह था कि इस वर्ष दवाइयों (अमोनियम सल्फेट, गंधक आदि) के अलावा अन्य रसायनों, खाद्यान्नों धातुओं और धातुक, पैट्रोलियम के सामान और अन्य भार का अधिक आयात किया गया।

1963-64 में 16.72 लाख टन भार निर्यात किया गया। इसके विपरीत गत वर्ष 15.05 लाख टन भार निर्यात किया गया था। इस प्रकार इस वर्ष 1.67 लाख टन भार अधिक निर्यात किया गया। जिन वस्तुओं का इस वर्ष अधिक निर्यात हुआ, उनमें से मुख्य ये हैं—मैंगनीज और लोह धातुक जूट का सामान, रेल का सामान और चीनी।

क्यू-2 घाट पर काम करते हुए 11-12-63 को एस० एस० ओडरे जे० लुक्नुवाक जहाज ने थैलों में भरा हुआ 5822 टन अमोनिया उतारा। थैलों में भरा हुआ भार उतारने की अधिकतम मात्रा इससे पहले 28-1-62 को 3381 टन थी।

(ख) नौवहन : 1963-64 में विदेशों को जाने वाले कुल 7,93,839 टन भार के 206 जहाज इस पत्तन पर आए। पिछले वर्ष ये संख्याएं क्रमशः 18,19,529 और 393 थीं। विचारार्थीन वर्ष में कुल 22,59,052 टन भार के 472 तटीय जहाज इस पत्तन पर आए। इसके विपरीत 1962-63 में कुल 7,41,647 टन भार के 208 जहाज आए थे।

1963-64 में इस पत्तन पर आने वाले जहाजों में से 560 फुट (ओ०-ए०) लंबा व कुल 12369 रजिस्टर टन भार का एस० एस० लिफजोर्ड नामक जहाज सबसे लम्बा जहाज था और आगे से 31 फुट 5 इंच और पीछे से 31 फुट 4 इंच डुबाव वाला 557 फुट (ओ० ए०) लंबा व कुल 12628 रजिस्टर टन भार का एम० बी० सिसला नामक जहाज सबसे अधिक डुबाव वाला जहाज था।

3- श्रमिक : 1963-64 में श्रमिकों के साथ संबंध पूर्ववत् संतोषजनक रहे।

4- पूंजीगत कार्य : 1963-64 में कुल 237.07 लाख रुपए के पूंजीगत कार्य किए गए और इस प्रकार युद्ध के बाद की अवधि में कुल 856 लाख रुपए पत्तन के पूंजीगत कार्यों पर लगाए गए। 1963-64 में पूंजीगत निर्माण कार्यक्रम के अंतर्गत किए गए बड़े महत्वपूर्ण कार्य नीचे दिए जा रहे हैं :—

(1) कच्ची धातु की दो वर्षों पर कच्ची धातु लादने उतारने की भर्तियों की व्यवस्था वाले चार अतिरिक्त घाटों का निर्माण।

(2) गोदी को और लम्बा तथा गहरा करना।

(3) पनकट दीवार की दीर्घकालीन भरभमत।

इस वर्ष इन निर्माण कार्यों में काफी प्रगति हुई।

5- कर्मचारियों को सुख-सुविधाएं : पत्तन ट्रस्ट बोर्ड के कल्याणकारी उपायों के अंतर्गत कई प्रकार के क्रियाकलाप आते हैं जैसे, खेल, सांस्कृतिक कार्यक्रम, कंटीनें और विश्राम वृक्ष, क्लब, सामान्य चिकित्सा इत्यादि। ज़रूरतमंद कर्मचारियों, क्लबों इत्यादि को कर्मचारी कल्याण-निधि से पूर्ववत् अनुदान दिए गए।

6- विधि : 29 फरवरी 1964 से बड़े पत्तन ट्रस्ट अधिनियम 1963 के अंतर्गत इस पत्तन के लिए एक पत्तन ट्रस्ट बोर्ड बनाया गया। इस बोर्ड की पहली बैठक 18 मार्च 1964 को हुई।

7- अधिस्वीकृति : पत्तन प्रशासन का एक और वर्ष उपयोगी काम करते हुए बीता और इस वर्ष पत्तन प्रशासन द्वारा किए गए काम की सरकार सराहना करती है।

आदेश

आदेश दिया गया है कि इस संस्ताव की एक-एक प्रति सब मंत्रिन् अधिकारियों, कार्यालयों आदि को भेज दी जाए।

यह भी आदेश दिया गया है कि यह संस्ताव सामान्य सूचना के लिए भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाए।

नरेन्द्र पाल भाथुर, संयुक्त सचिव

सूचना और प्रसारण मन्त्रालय

नई दिल्ली-1, दिनांक 9 फरवरी 1965

संकल्प

(भारत सेवा समाज तथा अन्य गैर-सरकारी संस्थाओं के प्रचार कार्य के प्रभाव का मूल्यांकन करने के लिए समिति)

सं० 1 (37)/62-पी० पी०—निश्चय किया गया है कि भारत सरकार के सूचना और प्रसारण मंत्रालय के संकल्प संख्या 1 (37)/62-पी० पी०, तारीख 4 दिसम्बर 1963 द्वारा गठित मूल्यांकन समिति की कार्याविधि फरवरी 1965 के अन्त तक और बढ़ा दी जाए।

आदेश

आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प की एक प्रति भारत के राजपत्र में प्रकाशित की जाए और एक-एक प्रति भारत सरकार के सभी मंत्रालयों, राज्य सरकारों, प्रधान मंत्री के सचिवालय, भारत के राष्ट्रपति के निजी और सैनिक सचिवों, योजना आयोग आदि को भेज दी जाए।

योगेन्द्र नाथ वर्मा, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF HOME AFFAIRS RULES

New Delhi, the 20th February 1965

No. 7/7/64-CS(A).—The rules for a competitive examination to be held by the Union Public Service Commission in August, 1965, for the purpose of filling temporary vacancies in the following Services/posts are published for general information :—

(i) Central Secretariat Clerical Service—Lower Division Grade;

(ii) Railway Board Secretariat Clerical Service—Grade III;

M/G461GI/64

- (iii) Indian Foreign Service (B)—Grade VI;
- (iv) Posts of Lower Division Clerk in the office of the Election Commission;
- (v) Posts of Lower Division Clerk in certain Departments and Attached Offices of the Government of India not participating in the Central Secretariat Clerical Service/I.F.S. (B)/Railway Board Secretariat Clerical Service.

2. The examination will be conducted by the Union Public Service Commission in the manner prescribed in Appendix I to the Rules.

The dates on which and the places at which the examination will be held shall be fixed by the Commission.

3. A candidate must be either—

- (a) a citizen of India, or
- (b) a subject of Sikkim, or
- (c) a subject of Nepal, or
- (d) a subject of Bhutan, or
- (e) a Tibetan refugee who came over to India, before the 1st January, 1962, with the intention of permanently settling in India; or
- (f) a person of Indian origin who has migrated from Pakistan with the intention of permanently settling in India;

Provided that a candidate belonging to categories (c), (d), (e) and (f) above shall be a person in whose favour a certificate of eligibility has been granted by the Government of India, and if he belongs to category (f) the certificate of eligibility will be valid only for a period of one year from the date of his appointment beyond which such a candidate will be retained in service subject to his having acquired Indian citizenship;

Certificate of eligibility will not, however, be necessary in the case of candidates belonging to any one of the following categories :—

- (i) Persons who migrated to India from Pakistan before the nineteenth day of July, 1948, and have ordinarily been residing in India since then,
- (ii) Persons who migrated to India from Pakistan on or after the nineteenth day of July, 1948 and have got themselves registered as citizens of India under Article 6 of the Constitution.
- (iii) Non-citizens in category (f) above who entered service under the Government of India before the commencement of the Constitution, viz., 26th January, 1950, and who have continued in such service since then. Any such person who re-entered or may re-enter such service with break after the 26th January, 1950 will, however, require certificate of eligibility in the usual way.

Provided further that candidates belonging to categories (c), (d) and (e) above will not be eligible for appointment to the Indian Foreign Service (B)—Grade VI.

A candidate in whose case a certificate of eligibility is necessary may be admitted to the examination and he may also provisionally be appointed subject to the necessary certificate being granted in his favour by the Government.

4. No candidate who does not belong to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe or is not a resident of the Union Territory of Pondicherry or is not a resident of the Andaman and Nicobar Islands or is not a resident of the Union Territory of Goa, Daman and Diu or is not a repatriate from Ceylon or is not a migrant from Kenya, Uganda and the United Republic of Tanzania (formerly Tanganyika and Zanzibar), shall be permitted to compete more than two times at the examination, but this restriction is effective from the examination held in 1961.

NOTE 1—For the purpose of this rule, a candidate shall be deemed to have competed at the examination once for all the Services/posts covered by the examination, if he competes for any one or more of the Services/posts.

NOTE 2—A candidate shall be deemed to have competed at the examination if he actually appears in any one or more subjects.

5. (a) A candidate for this examination must have attained the age of 18 years and must not have attained the age of 21 years as on 1st January, 1965, i.e. he must have been born not earlier than 2nd January, 1944 and not later than 1st January, 1947.

(b) The upper age limit prescribed above is relaxable :—

- (i) Up to maximum of five years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe;
- (ii) Up to a maximum of five years if a candidate is a resident of the Union Territory of Pondicherry and has been receiving education through the medium of French;
- (iii) Up to maximum of four years if a candidate is a resident of the Andaman and Nicobar Islands;
- (iv) Up to a maximum of three years if a candidate is an Indian citizen and is a repatriate from Ceylon;
- (v) Up to a maximum of three years if a candidate is a resident of the Union Territory of Goa, Daman and Diu.
- (vi) Up to a maximum of three years if a candidate is a *bona fide* displaced person from East Pakistan and has migrated to India on or after 1st January, 1964;
- (vii) Up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a *bona fide* displaced person from East Pakistan and has migrated to India on or after 1st January, 1964; and

(viii) Up to a maximum of three years if a candidate is of Indian origin and has migrated from Kenya, Uganda, and the United Republic of Tanzania (formerly Tanganyika and Zanzibar).

(c) The upper age limit will also be relaxed up to 35 years in respect of persons who are employed as clerks in the Sub-ordinate offices and non-participating Attached Offices of the Government of India (including such offices under the Election Commission, Commissioner for Scheduled Castes and Scheduled Tribes, Commissioner for Linguistic Minorities, etc.) and have rendered not less than three years continuous service as clerks on the 1st January, 1965 and continue to be so employed.

(d) In the case of Lower Division Clerks in the Armed Forces Headquarters and Inter-Service Organisations, who were recruited in 1963-64 through the Employment Exchanges and who continue to be so employed, the upper age limit prescribed at the time of their recruitment will be relaxable by two years.

NOTE I.—This relaxation is admissible for the examination to be held in 1965 only, and will not be extended for subsequent examinations.

NOTE II.—The restriction regarding the number of attempts, vide Rule 4, will not be applicable to the candidates applying under the age relaxation provided in Rule 5(d) above.

NOTE III.—The candidature of a person, who is admitted to the examination under the age concession mentioned in Rule 5(c) and 5(d) above, is liable to be cancelled, if, after submitting his application, he resigns from Service or his services are terminated by his Department, either before or after taking the examination. He will however, continue to be eligible if he is retrenched from the Service or post after submitting his application.

(e) The upper age limit will also be relaxable up to 45 years in respect of Ex-Service Clerks and Service Clerks during the last year of their Colour Service.

NOTE :—Candidates admitted to the Examination under the age concession provided in Rule 5(d) and 5(e) above, will be eligible to compete for vacancies in the Armed Forces Headquarters and Inter-Service Organizations only.

Save as provided above, the age limits prescribed can in no case be relaxed.

6. Candidates must have passed one of the following examinations or possess one of the following certificates :—

- (a) Matriculation Examination of any University incorporated by an Act of the Central or State Legislature in India or an examination recognised by such a University as equivalent to its Matriculation Examination;
- (b) an examination held by a State Education Board at the end of the Secondary School Course for the award of a School Leaving, Secondary School, High School or any other Certificate which is accepted by the Government of that State as equivalent to Matriculation Certificate for entry into services;
- (c) Cambridge School Certificate Examination (Senior Cambridge);
- (d) European High School Examination held by the State Governments;
- (e) Tenth Class Certificate from the Technical Higher Secondary School of the Delhi Polytechnic;
- (f) Tenth Class Certificate from a recognised Higher Secondary School or from a recognised School preparing students for the Indian School Certificate Examination;
- (g) Junior examination of the Jamia Millia Islamia, Delhi in the case of *bona fide* resident students of the Jamia only;
- (h) Bengal (Science) School Certificate;
- (i) Final School Standard Examination of the National Council of Education, Jadavpur, West Bengal (Since inception);
- (j) Vidhyadhikari diploma of Gurukul Vishwavidyalaya, Kangri, Haridwar;
- (k) Adhikari Diploma of Gurukul Vishwavidyalaya, Brindaban;
- (l) 'Vint' examination of the Gujarat Vidyapith, Ahmedabad;
- (m) the following French Examinations of Pondicherry: (i) 'Brevet Elementaire' (ii) 'Brevet d'Enseignement Primaire de Langue Indienne' (iii) 'Brevet D'etudes du Premier Cycle' (iv) 'Brevet D'Enseignement Primaire Supérieur de Langue Indienne' and (v) 'Brevet de Langue Indienne (Vernacular)';
- (n) Pass in the 5th year of 'Jycesum' a Portuguese qualification in Goa, Daman and Diu;
- (o) Indian Army Special Certificate of Education;
- (p) Higher Educational Test of the Indian Navy;
- (q) Advanced class (Indian Navy) Examination;
- (r) Ceylon Senior School Certificate Examination;

- (s) Certificate granted by the East Bengal Secondary Education Board, Dacca;
- (t) School Leaving Certificate Examination of the Government of Nepal;
- (u) Anglo-Vernacular School Leaving Certificate (Burma);
- (v) Burma High School Final Examination Certificate;
- (w) Anglo-Vernacular High School Examination of the Education Department, Burma (Pre-War);
- (x) Post-War School Leaving Certificate of Burma;
- (y) any other examination which may be recognised by the Union Public Service Commission as equivalent to the above.

NOTE.—Candidates who have appeared at an examination the passing of which would render them eligible to appear at this examination but have not been informed of the result may apply for admission to this examination. Candidates who intend to appear at such a qualifying examination may also apply provided the qualifying examination is completed before the commencement of this examination. Such candidates will be admitted to the examination, if otherwise eligible, but the admission would be deemed to be provisional and subject to cancellation if they do not produce proof of having passed the examination, as soon as possible and in any case not later than two months after the commencement of this examination.

7. (a) No male candidate who has more than one wife living or who having a spouse living, marries in any case in which such marriage is void by reason of its taking place during the life-time of such spouse, shall be eligible for appointment to any of the Services/posts, appointments to which are made on the results of this competitive examination, unless the Government of India, after being satisfied, that there are special grounds for doing so, exempt any male candidate from the operation of this rule.

(b) No female candidate whose marriage is void by reason of the husband having a wife living at the time of such marriage or who has married a person who has a wife living at the time of such marriage shall be eligible for appointment to any of the Services/posts, appointments to which are made on the results of the competitive examination, unless the Government of India, after being satisfied that there are special grounds for doing so, exempt any female candidate from the operation of this rule.

8. (1) A candidate already in Government Service, whether in a permanent or temporary capacity, must obtain prior permission of the Head of the Department to appear for the Examination.

(2) Candidates who are employed in or under the Intelligence Bureau will be admitted, if otherwise eligible, to compete for vacancies in the Intelligence Bureau only. Other candidates whether in Government service or not, if otherwise eligible, will be admitted to compete for vacancies in all Services/Offices, recruitment to which is made on the results of this examination, and for which they apply.

9. A candidate must be in good mental and bodily health and free from any physical defect likely to interfere with the efficient discharge of his duties as an officer of the Service. A candidate, who after such medical examination, as may be prescribed by the competent authority, is found not to satisfy these requirements, will not be appointed. Only such candidates as are likely to be considered for appointment will be medically examined.

10. The decision of the Commission as to the eligibility or otherwise of a candidate for admission to the examination shall be final.

11. No candidate will be admitted to the examination unless he holds a certificate of admission from the Commission.

12. Candidates must pay the fee prescribed in Annexure I to the Commission's Notice. No claim for a refund of the fee will be entertained except to the extent stated in that Annexure, nor can the fee be held in reserve for any other examination or selection.

13. Any attempt on the part of a candidate to obtain support for his candidature by any means may disqualify him for admission.

14. A candidate who is or has been declared by the Commission guilty of impersonation or of submitting fabricated documents or documents which have been tampered with or of making statements which are incorrect or false or of suppressing material information or otherwise resorting to any other irregular or improper means for obtaining admission to the examination, or of using or attempting to use unfair means in the examination hall, may, in addition to rendering himself liable to criminal prosecution,—

- (a) be debarred permanently or for a specified period :—
 - (i) by the Commission, from admission to any examination or appearance at any interview held by the Commission for selection of candidates; and
 - (ii) by the Central Government from employment under them;

- (b) be liable to disciplinary action under the appropriate rules, if he is already in service under Government.

15. Out of the total number of vacancies in the various Services or Offices decided to be filled on the results of this examination, such number not exceeding 45 per cent of the vacancies to be filled in each Service or office, as the case may be, as may be determined by Government shall be reserved for the appointment of candidates belonging to the Scheduled Castes and Scheduled Tribes. The number of vacancies in each Service or office to be reserved separately for the Scheduled Castes and Scheduled Tribes, respectively, shall also be determined by Government.

Provided that if there are only two vacancies to be filled in any Service or Office, one of them may be reserved for the Scheduled Castes or Scheduled Tribes.

After the examination, the candidates will be arranged by the Commission in the order of merit as disclosed by the aggregate marks finally awarded to each candidate; and in that order so many candidates as are found by the Commission in their discretion to have qualified in the examination shall be recommended for appointment up to the number of unreserved vacancies decided to be filled on the results of the examination.

Provided that any candidate belonging to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes who though not qualified by the standard prescribed by the Commission for any Service/post, is declared by them to be suitable for appointment thereto with due regard to the maintenance of efficiency of administration, shall be recommended for appointment to vacancies reserved for members of the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes, as the case may be, in that Service/post.

NOTE 1—Due consideration will be given to the preferences expressed by a candidate at the time of his application (c.f. Col. 28 of the application form), but a candidate may be assigned to any Service/post for which the examination is held.

NOTE 2—The form and manner of communication of the results of the examination to individual candidates shall be decided by the Commission in their discretion.

17. Success in the examination confers no right to appointment, unless Government are satisfied, after such enquiry as may be considered necessary, that the candidate is suitable in all respects for appointment to the Service/post.

18. All appointments on the results of this examination shall be subject to the condition that unless a candidate has already passed one of the periodical typewriting tests in English or Hindi held by the Union Public Service Commission, he shall pass such a test at a minimum speed of 30 words per minute within a period of one year from the date of appointment, failing which his appointment will be liable to be terminated. If, for any reason, such a candidate is continued in service beyond the stipulated period of one year in spite of his failure to pass the typewriting test within this period, no increment shall be admissible to him until he passed the test.

NOTE—Candidates appointed on the results of the examination, who have already passed the U.P.S.C.'s typewriting test or who pass it within a period of 6 months from the date of appointment will be granted the first increment after 6 months instead of after one year's service. This will, however, be absorbed in the subsequent regular increments.

19. Conditions of service relating to the Services/posts to which recruitment is being made through the examination are briefly stated in Appendix II.

K. THYAGARAJAN, Under Secy.

APPENDIX I

1. The subjects of the examination, the time allowed and the maximum marks for each subject will be as follows :—

Subject	Maximum Marks	Time Allowed
(i) General English & Short Essay		
(a) Short Essay ..	100	} 300 3 hours
(b) General English ..	200	
(ii) General Knowledge including Geography of India ..	100	2 hours

2. The syllabus for the examination will be as shown in the attached Schedule.

3. Candidates are allowed the option to answer item (a) of paper (i) and paper (ii) either in Hindi or in English. Item (b) of paper (i) must be answered in English by all candidates.

NOTE 1—The option will be for a complete paper and not for different questions in the same paper.

NOTE 2—Candidates desirous of exercising the option to answer the aforesaid papers in Hindi should indicate their intention to do so clearly in Column 7 of the application form. Otherwise it would be presumed that they would answer the papers in English.

4. Candidates must write the papers in their own hand. In no circumstances will they be allowed the help of a scribe to write down answers for them.

5. The Commission have discretion to fix qualifying marks in any or all subjects at the examination.

6. From the marks assigned to candidates in each subject, such deduction will be made as the Commission may consider necessary in order to ensure that no credit is allowed for merely superficial knowledge.

7. Deduction up to 5 per cent, of the maximum marks for the written subjects will be made for illegible hand-writing.

8. Credit will be given for orderly, effective and exact expression, combined with due economy of words in all subjects of the examination.

SCHEDULE

Syllabus of the Examination

General English and Short Essay :—

- (a) Short Essay—An essay to be written on one of the several specified subjects.
- (b) General English—Candidates will be tested in the following :—
 - (1) Drafting;
 - (2) Precis writing;
 - (3) Applied Grammar;
 - (4) Proof correcting; and
 - (5) Elementary tabulation (To test candidates' ability in the art of compiling, arranging and presenting data in a tabular form).

General Knowledge including Geography of India.

Knowledge of current events and of such matters of everyday observation and experience in their scientific aspects as may be expected of an educated person who has not made a special study of any scientific subjects. The paper will include questions on Geography of India.

APPENDIX II

Brief particulars relating to the Services/posts to which recruitment is being made through this Examination.

A. Central Secretariat Clerical Service

The Central Secretariat Clerical Service has two grades as follows :—

- (i) Upper Division Grade :— Rs. 130—5—160—8—200—EB—8—256—EB—8—280.
- (ii) Lower Division Grade :— Rs. 110—3—131—4—155—EB—4—175—5—180.

2. Persons recruited to the Lower Division Grade will be on probation for a period of two years during which they will undergo such training and pass such departmental tests as may be prescribed by Government. Failure to show sufficient progress in the course of training or to pass the tests may result in the discharge of the probationer from service.

3. On the conclusion of the period of probation, Government may confirm the clerk on probation or, if his work or conduct has, in the opinion of Government, been unsatisfactory, he may either be discharged from service or his period of probation may be extended for such further period as Government may think fit.

4. Persons recruited to the Lower Division Grade will be posted to one of the Ministries/Offices participating in the Central Secretariat Clerical Service Scheme. They may, however, at any time be transferred to any other Ministry or Office, participating in the Central Secretariat Clerical Service.

5. Persons recruited to the Lower Division Grade will be eligible for promotion to the Upper Division Grade in accordance with the rules in force from time to time in this behalf.

6. Persons recruited to the Lower Division Grade of the Central Secretariat Clerical Service in pursuance of their option for that Service will not, after such appointment, have any claim for transfer or appointment to the Indian Foreign Service (B) or the Railway Board Secretariat Clerical Service.

B. Railway Board Secretariat Clerical Service.

(a) The service conditions of Lower Division Clerks employed in the Ministry of Railways so far as recruitment, training, promotion etc. are concerned are regulated by the Railway Board Secretariat Clerical Service Reorganisation and Reinforcement Scheme which is on the lines of Central Secretariat Clerical Service Scheme.

(b) The Railway Board Secretariat Clerical Service consists of the following two grades :—

- (i) Grade I (Upper Division) Rs. 130—5—160—8—200—EB—8—256—EB—8—280.
- (ii) Grade II (Lower Division) Rs. 110—3—131—4—155—EB—4—175—5—180.

Direct recruitment is made in Grade II only. The posts in Grade I are filled by promotion from amongst Grade II Clerks—80% by promotion on the basis of seniority subject to the rejection of the unfit and 20% on the basis of competitive examination.

(c) The Railway Board Secretariat Clerical Service is confined to the Ministry of Railways and the staff are not liable to transfer to other Ministries as in the Central Secretariat Clerical Service.

(d) Officers of the Railway Board Secretariat Clerical Service recruited under these rules—

- (i) will be eligible for pensionary benefits and
- (ii) shall subscribe to the non-contributory State Railway Provident Fund under the rules of that fund as are applicable to Railway Servants appointed on the date they join service.

(e) The staff employed in the Ministry of Railways are entitled to the privilege of passes and privilege ticket orders on the same scale as are admissible to other Railway staff.

(f) As regards leave and other conditions of service, staff included in the Railway Board's Secretariat Clerical Service are treated in the same way as other Railway staff but in the matter of medical facilities they will be governed by the rules applicable to other Central Government employees headquartered at New Delhi.

C. Indian Foreign Service (B)—Grade VI.

The scale of pay :—Rs. 110—3—131—4—155—EB—4—175—5—180.

2. Officers appointed to Grade VI of the Indian Foreign Service (B), when posted abroad, will be eligible for such allowances and free furnished accommodation as admissible to that grade of I.F.S.(B) officers from time to time.

3. Candidates appointed to the Indian Foreign Service (B) on the results of this examination will be liable to serve in any post either at Headquarters, anywhere in India or abroad to which they may be posted by the Controlling Authority.

4. The conditions for appointment, confirmation and seniority in the Service will be governed by the relevant provisions of the I.F.S. (PLCA etc.) Rules and also by any other rules or orders which the Government may hereafter make.

D. Armed Forces Headquarters Clerical Cadre

The posts of Lower Division Clerk are non-gazetted (Class III—Ministerial) temporary posts in A.F.H.Q. Clerical Cadre which is confined to Armed Forces Headquarters and Inter Service Organisations. The cadre has at present three grades as follows :—

Assistant—Rs. 210—10—270—15—300—EB—15—450—EB—20—530.

Upper Division Clerk—Rs. 130—5—160—8—200—EB—8—256—EB—8—280.

Lower Division Clerk—Rs. 110—3—131—4—155—EB—4—175—5—180.

2. Lower Division Clerks will be eligible for confirmation and promotion in accordance with the rules in force from time to time.

3. Lower Division Clerks recruited in AFHQ will be generally posted to one of the Services HQ/Inter-Service Organisations located in Delhi/New Delhi. They will, however, also be liable to be posted anywhere within India in the public interest.

4. Leave, Medical aid and other conditions of service will be the same as applicable to other Ministerial staff employed in AFHQ and Inter-Service Organisations.

E. Department of Parliamentary Affairs.

The scale of pay for the post of Lower Division Clerk in the Department is Rs. 110—3—131—4—155—EB—4—175—5—180.

Candidates appointed to the Service by selection through the Competitive examination shall be on probation for a period of two years.

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Economic Affairs)

New Delhi, the 5th February 1965

No. F. 25(27)-NS/64.—In pursuance of the paragraph 4 of the Notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Economic Affairs) No. F. 4(1) W&M/60, dated the 1st March, 1960, as subsequently amended, it is hereby notified for general information that the following series of the Five Year Interest Free Prize Bonds, 1965, will be included in the nineteenth quarterly draw for prizes to be held on the 2nd March, 1965.

- (a) Bonds of Rs. 100/- series denomination.—A, B, C, D, E, F, G, H, J, K, L, M, N, Q, R, S, T, U, V and W.
- (b) Bonds of Rs. 5/- series denomination.—AA, AB, AC, AD, AE, AF, AG, AH, AJ, AK, AL, AM, AN, AP, AQ, AR, AS, AT, AU, AV, AW, AX, AY, AZ and BA.

A. G. KRISHNAN, Officer on Special Duty.

(Department of Expenditure)*New Delhi, the 9th February 1965*

No. 341-P11/65. The President hereby directs that the following further amendments shall be made in the Rules relating to Postal Life Insurance and Endowment Assurance, namely :—

AMENDMENT

I. In Rule 29 of the said Rules, for the words "Director" and "Deputy Accountant-General" the words "Postmaster-General" and "concerned branch audit officer" shall respectively be substituted.

II. In Rule 30 of the said Rules, for the word "Director" the word "Postmaster-General" shall be substituted

C. B. GULATI, Dy. Secy.

MINISTRY OF COMMERCE*New Delhi, the 6th February 1965*

No. 4(35)TEX(C)/64.—The Government of India hereby direct that the following amendment be made in the former Ministry of Commerce and Industry's Resolution No. 4(31)TEX(C)/62 dated the 18th January, 1963, as extended by the Ministry of Commerce Resolution No. 4(35)TEX(C)/64 dated the 28th December, 1964.

The following may be substituted for the existing entry against Serial No. 7 :—

"7. Shri R. V. Khode, B.A., LL.B., Advocate, C/o West Nimar Cooperative Central Bank Limited, *Khangone*, Madhya Pradesh."

G. R. KADAPA, Dy. Secy.

New Delhi, the 9th February 1965

No. 13/24 63-E.Pty. In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 133-V of the Defence of India Rules, 1962, the Central Government hereby directs that all property in India, movable and immovable, belonging to, or held by, or managed on behalf of, Messrs. WANG-FU-KUI, New Market, Kalimpong, which vested in the Custodian of Enemy Property for India by virtue of the notification of the Government of India in the late Ministry of International Trade No. 13/24/63-E.Pty., dated the 20th August, 1963, shall cease to vest in the said Custodian and shall re-vest in the said Messrs. WANG-FU-KUI.

D. N. BANERJEE, Jt. Secy.

MINISTRY OF INDUSTRY AND SUPPLY**(Department of Industry)****RESOLUTION***New Delhi, the 9th February 1965*

No. 3-102/64-MEI.—With a view to stepping up the tempo of the fabrication of cement plants indigenously, the Government of India are considering the possibility of standardisation of indigenous cement plants, bulking together of the industry's requirements of imported components etc. so that a steady flow of orders on the machine-building industry could be placed in advance and the cost of import reduced. The Government are also of the view that the import of components for indigenous plants can be progressively reduced with the increasing availability of facilities for the indigenous manufacture of Steel Plates, Castings, Gears, Motor etc. The Government have, therefore, decided to constitute a Technical Committee to examine and report on the following matters :—

1. the extent to which it is possible to standardise cement plants, so that plants can be fabricated in advance without reference to specific locations and processes of manufacture;
2. the extent to which the import of components can be bulked so that a single agency may import the Industry's entire requirements of imported components in bulk as and when credits are available from particular sources; and
3. a quick assessment of the facilities already available in the country for the manufacture of Steel Plates, Steel Castings, Gears, large capacity Motors etc. so that the foreign exchange content of a standard plant could be further reduced.

The Committee will consist of the following :—

1. Dr. B. D. Kalelkar, Deputy Director, General D.G.T.D.—Chairman.
2. Shri P. M. Nayak—Joint Secretary, Department of Industry.
3. Shri Harbans Singh—Deputy Secretary, Department of Industry.
4. Representatives of the following machinery manufacturers :—
 - (i) M/s ACC-Vickers-Babcock Limited, 16, Queen's Road Estate, Bombay.

- (ii) M/s. Indian Sugar & General Engineering Corporation, Yamunanagar, Ambala District.
 - (iii) M/s. K. C. P. Limited, No. 38, Mount Road, Madras-6.
 - (iv) M/s Walchandnagar Industries Limited, Post Office Walchandnagar, Poona Distt.
 - (v) M/s. Utkal Machinery Limited, Kansbahal, Near Rourkela, Orissa.
 - (vi) M/s. McNally Bird Engineering Company Ltd., Chartered Bank Building, Calcutta-1.
 - (vii) M/s. Larsen & Toubro Limited, I. C. House, Doughall Road, Ballard Estate, Bombay-1.
5. Dr. A. G. Fandulkar, Bagalkot Cement Company Ltd., Bagalkot—Representative of the Cement Industry.

Shri S. C. Banerjee, Development Officer, Department of Supply and Technical Development will be Secretary of the Committee. The Committee is requested to submit its report by the 15th March 1965.

ORDERED that a copy of the Resolution be communicated to all concerned and that it be also published in the Gazette of India for general information

O. N. MISRA, Jt. Secy

*New Delhi, the 11th February 1965***AMENDMENT**

No. 15-15/60-MEI.—In the late Ministry of Commerce and Industry Resolution No. ME.IND.15(15)/60, dated the 27th March 1961, constituting a Committee for developing manufacture of Marine Fishing Craft in India, the name and particulars viz.,

Shri P. R. Dave,
C/o Messrs Alcock Ashdown Company Ltd.,
Bombay.

shall be substituted by

Shri P. P. Bhote,
C/o M/s. Alcock Ashdown Co. Ltd., Bombay.

ORDER

ORDERED that a copy of the above amendment be communicated to all concerned and that it be published in the Gazette of India.

HARBANS SINGH, Dy. Secy.

MINISTRY OF HEALTH**RESOLUTION***New Delhi, the 5th February 1965*

No. F. 5-51/64-LSG. I.—The contamination of the water supply of Delhi which took place in the wake of the last monsoon has been the cause of much concern and discussion. It has been decided to make an enquiry into the causes of pollution of the river water and the manner in which it could be prevented. For this purpose, the Government of India in consultation with the Governments of Punjab and U.P. have decided to constitute a Committee. The Committee shall consist of :—

Chairman

1. Deputy Minister for Health.

Members

2. Shri Shiv Charan Gupta, M.P.
3. Shri I. K. Gujral, M.P.
4. Dr. M. S. Chadha, Director General of Health Services (on leave).
5. Vice-Chairman, Delhi Development Authority.
6. Shri N. V. Modak, Consulting Engineer, Bombay.
7. A nominee of the Water Supply and Sewage Disposal Committee of the Municipal Corporation of Delhi.
8. Shri A. K. Roy, Chief Engineer, L.S.G. Engineering Department, U.P.
9. Shri I. N. Mehta, Chief Engineer, Public Health Engineering Department, Punjab.
10. Shri Balwant Singh, Chief Engineer (Water), Delhi Municipal Corporation
11. Shri C. I. Handa, Member (Design) Central Water & Power Commission, Ministry of Irrigation & Power, NEW DELHI.

Member-Secretary

12. Shri T. Durairaj,
A.D.G. (PHE),
Dte. G.H.S.

The terms of reference shall be :—

- (i) To determine the causes and nature of pollution of river water during early part of September, 1964.
- (ii) To determine whether the pollution was preventible. If so, whether the steps taken by the authority concerned were appropriate and adequate. If not, where the responsibility rests.
- (iii) To recommend measures considered necessary to ensure continuous supply of pure drinking water in Delhi.
- (iv) Any other matter considered relevant in this connection.

3 The headquarters of the Committee will be in New Delhi.

4. The Committee will hold its meeting as and when necessary and may invite to its meetings such other officers as may be considered necessary.

5. The Committee will submit its report by the 31st March 1965

ORDER

ORDERED that this Resolution be communicated to State Governments of Punjab & U.P., the Union Territory of Delhi, Municipal Corporation of Delhi, Department of Parliamentary Affairs, Lok Sabha and Rajya Sabha Secretariat/Delhi Development Authority/Dte. G.H.S. All the Ministries of the Government of India, Prime Minister's Secretariat, the Private and Military Secretariat to the President, the Cabinet Secretariat, the Comptroller and Auditor General of India and the Planning Commission for information.

ORDERED that the Resolution be published in the Gazette of India and the State Govts. of Punjab & U.P. be requested to publish it in the State Gazettes for general information.

R. K. RAMADHYANI, Secy

Statement showing Receipts and Payments for the year 1963-64

Opening Balance & Receipts (1)			Expenditure and Closing Balance (2)	
1. OPENING BALANCE			1. MEASURES TAKEN IN CONNECTION WITH GOSAMVARDHANA.	
(a) In the current account with the State Bank of India New Delhi	15,926.06		A.—Development Schemes (Plan)	
(b) In Cash with Secretary as Imprest	500.00	16,426.06	1. Pattern Schemes for Cattle development work in Border Areas through Non-Official Agencies	5,000.00
2. MONEYS RECEIVED FROM THE STATE GOVERNMENTS/GOVT. OF INDIA AS GRANT :			2. Salvage of Dry Cattle from Cities	14,400.00
(a) Govt. of India	9,85,000.00		3. Scheme for the control of Wild Stray & Un-Productive Cattle.	
3. UNSPENT BALANCE OF THE GRANTS-IN-AID PAID TO STATES IN PREVIOUS YEARS NOW SURRENDERED	88,787.12		(a) Wild Stray Cattle Catching Scheme	30,175.10
4. GRANT-IN-AID FROM THE KHADI & VILLAGE INDUSTRIES COMMISSION TOWARDS SETTING UP A CHARMALAYA	20,000.00		(b) Supply of Breeding Bulls	2,965.00
5. OTHER MONEYS RECEIVED BY THE SOCIETY			4. Establishment of Model Gosadans :	
(a) Receipts from Journal—			(a) Gularbhoj	82,793.07
1. Advertisement	4,843.70		(b) Dilawary	1,19,050.02
2. Subscription	9,130.35	13,974.05	5. MILK YIELD COMPETITIONS	13,640.66
(b) Receipts from Model Gosadans —			TOTAL A. DEV. SCHEMES (PLAN)	2,68,023.85
1. Gularbhoj	31,291.10		B.—Other Schemes (Plan)	
2. Dilawary	6,923.36	38,214.46	6. Relief to cattle breeders during Natural calamities (i.e. Famines & Floods)	3,60,000.00
(c) Misc. Receipts —			Non-Plan Schemes :	
1. Interest on Conveyance Advance	47.71		1. Schemes for creation of Public enthusiasm :	
2. Misc. Receipts	3,006.14	3,053.85	(a) Gosamvardhana Week Celebrations	54,364.94
(d) Recovery of Advances—			(b) Exhibition Units	56,781.11
1. Conveyance Advances	3,709.61		2. Education & Training Schemes:	
2. Festival Advances	2,270.00	5,979.61	(a) Training of Gaushala Managers:	
(e) Security Deposits Received		2,007.00	1. Karnal	3,537.48
			2. Jaipur	24,542.34
			3. Publicity & Propaganda :	
			(a) Gosamvardhana Journal	42,992.30
			(b) Issue of Leaflets & Pamphlets	2,499.62
			4. Establishment of Transit Camps:	
			(a) Delhi	8,372.09
			(b) Karnal	6,148.98
			TOTAL FOR PLAN AND NON-PLAN SCHEMES	8,27,262.71

RESOLUTION

New Delhi, the 6th February 1965

No. P. 12-28 63-FPII.—In partial modification of this Ministry's Resolution No. 1. 12-28/63-FPII, dated the 27th July, 1963, 25th March, 31st July, 24th October and 30th December, 1964, regarding constitution of the Family Planning Programme Evaluation and Planning Committee, it has now been decided that the Committee will submit their report by the 31st March, 1965, instead of the 31st December, 1964.

M. K. KUTTY, Dy. Secy.

MINISTRY OF FOOD AND AGRICULTURE

(Department of Agriculture)

New Delhi, the 8th February 1965

CORRIGENDUM

No. 7-152/64-DD.—In this Ministry's Resolution No. 39-97 60-DD dated 21st January, 1961, as amended subsequently, for the existing entry under item No. 1, in para 2, the following may be substituted :—

PRESIDENT

1. DEPUTY MINISTER FOR AGRICULTURE,
GOVERNMENT OF INDIA.

N. RANGA NATHAN, Under Secy.

New Delhi, the 10th February 1965

No. 7-22/64-LD.—In pursuance of the provision of Bye-law XII(4) of the Bye-Laws of the Central Council of Gosamvardhana, the Government of India are pleased to publish the accounts of the receipts and payments of the Council for the financial year 1963-64 together with the Auditor's report thereon, for general information

K. C. SARKAR, Under Secy.

(1)		(2)	
II. ADMINISTRATION			
			17,631.72
			58,198.01
			7,179.00
			3,770.00
		1. Travelling Allowances	21,047.61
		2. Dearness Allowances	7,568.92
		3. House Rent & Other Allowances	22,348.16
		4. C. H. S. Contributions	4,175.91
			55,140.60
		TOTAL PAY AND ALLOWANCES	1,41,919.93
B/F	11,73,512.15	6. Contingencies:	
		(a) Rent for Office including Water & Electric Charges	14,530.08
		(b) Postage, Telegrams & Telephone Charges	10,241.43
		(c) Books & Publications	64.85
		(d) Stationery & Forms	7,107.84
		(e) Printing & Advertisements	435.87
		(f) Office Expenses & Misc	10,211.67
		(g) Typewriter	317.95
		(h) Furniture	522.40
		(i) Staff Car	4,534.01
			47,966.10
		TOTAL ADMINISTRATION	1,89,886.03
III. TRAVELLING ALLOWANCES TO NON-OFFICIAL MEMBERS			
IV. DEPOSIT AND ADVANCES			
V. REFUND TO THE GOVT. OF INDIA OF THE UNSPENT BALANCE OF GOVT. GRANT FOR PRECEDING YEAR			
VI. REFUND TO THE GOVERNMENT OF INDIA OF THE UNSPENT GRANTS SURRENDERED BY THE STATE GOVERNMENTS			
TOTAL I TO VI			
CLOSING BALANCE			
		1. With the State Bank of India	24,239.08
		2. Imprest with the Secretary in Cash	500.00
TOTAL	11,73,512.15	TOTAL	11,73,512.15

Sd/-
(P. C. BAJPAI)
Assistant Secretary,
Central Council of Gosamvardhana
17/4/1964

Sd/-
(P. BHATTACHARYA)
Official Secretary,
Central Council of Gosamvardhana.
18/4/1964

AUDIT CERTIFICATE

I have examined the above accounts and obtained all the information and explanations that I have required and, subject to the observations in the separate *Audit Report*, I certify, as a result of my audit, that in my opinion these accounts are properly drawn up so as to exhibit a true and fair view of the State of Affairs of the Council, according to the best of my information and explanations given to me and as shown by the books of the Council.

New Delhi, the 29-4-1964.

Sd/- D. P. JAIN
Deputy Accountant General.

New Delhi, the February 1965

CORRIGENDUM

No. 2-2/65-FAME.—In the Government of India, Ministry of Food & Agriculture (Deptt. of Agriculture) Resolution No. 6-11/60-C(E), dated 6-9-1960, as amended from time to time, the following changes in the composition of the National Campaign Committee of the Freedom from Hunger Campaign and its Governing Board are hereby notified :—

(i) *Composition of the National Campaign Committee*
Under the heading "Representative of other Bodies", the following shall be added :—

18 Director, Central Food Technological Institute, Mysore or his nominee.

(ii) *Composition of Governing Board*

Under the heading "Members" the following shall be added :—

11. Director, Central Food Technological Research Institute, Mysore or his nominee.

ORDER

ORDERED that a copy of this notification be communicated to all State Governments, Lok Sabha Secretariat, Rajya Sabha Secretariat, Department of Parliamentary Affairs, the Private and Military Secretaries to the President, Cabinet Secretariat, Prime Minister's Secretariat, Auditor General of India, the Planning Commission and all Ministries of the Government of India.

ORDERED also that the notification be published in the Gazette of India for general information.

J. S. MONGIA, Dy. Secy.

MINISTRY OF TRANSPORT

(Transport Wing)

PORTS

RESOLUTIONS

New Delhi, the 9th February 1965

No. 7-PG(15)/64.—The Government of India have received the Administration Report of the Port of Mormugao for the year 1962-63. The note-worthy features of the Report are

reviewed below :—

(1) *Financial Position*.—The total revenue of the Port of Mormugao during the year under review was Rs. 125.74 lakhs (including receipts from Pilotage) as against Rs. 153.56 lakhs during 1961-62. The decrease in the revenue was due to fall in the exports of iron ore, and import of general cargo and in the total tonnage of rail borne ore

The expenditure during 1962-63 was Rs. 64.27 lakhs as compared to Rs. 81.88 lakhs during the previous year. The expenditure of Rs. 81.88 lakhs in 1961-62 included a contribution of about Rs. 24 lakhs to a fund created by the former Portuguese Government for Development Works. During the year 1961-62 and 1962-63, the working of the port led to surpluses of Rs. 71.68 lakhs and Rs. 61.47 lakhs respectively.

The expenditure stated above does not include the payment of interest on capital and loans, and transfers to Reserve Funds. A contribution of Rs. 71.68 lakhs was made to Revenue Reserve Funds constituted in 1962-63.

(2) *Traffic*.—The total tonnage of cargo handled at the Mormugao Harbour during the year under review was 53,87,669 as against 64,09,924 tons during the previous year. The break-up of the traffic figures is as under :—

	1961-62	1962-63
Imports	1,62,473	1,12,077
Exports	62,47,451	62,69,592

The fall in the imports was due to the fact that no coal was imported during the period under review. There has also been a gradual reduction of imports from abroad as the requirements of Goa are now met from the rest of the country. The decline in the export of ore as compared with that of the previous year was mainly due to the general slump in the World ore market.

(3) *Trade at Betul*.—The total exports of ore from Betul during the year 1962-63 were 1,46,660 tons as against 52,251 tons in 1961-62.

(4) *Shipping*.—622 vessels with a gross tonnage of 45,72,007 entered the harbour during the year 1962-63 as against 677 vessels with a gross tonnage of 48,33,294 during the year 1961-62.

(5) *Capital Works*.—During 1962-63 an expenditure of Rs. 15.70 lakhs was incurred on Capital Account as compared to Rs. 5.70 lakhs during 1961-62. The following are the works on which expenditure was incurred during the year under review :—

Name of Works	Expenditure (in lakhs)
Construction of a foundry building	0.20
Extension of the Workshop building	0.85
Paving of Berths	0.37
Gang Quarters at Majorda	0.43
Drainage Scheme near berth No 7	0.70
Construction of a Bridge over track mile 1/7-8 at Vasco-da-gama	0.03
Dredging of the entrance channel and the basin	13.12

(6) *Port Railway*. With the restoration of the rail link with the rest of the country, there was considerable increase in the number of passengers, parcels and goods traffic on the section of the railway managed by the port Administration. The number of passengers travelling by rail further increased when the system of regulating entry into Goa by permits was discontinued.

ORDER

ORDERED that a copy of the Resolution be communicated to all concerned.

ORDERED also that the Resolution be published in the Gazette of India for general information.

The 10th February 1965

No. 17-PG(53)/64.—The Government of India have received the Administration Report of the Vishakhapatnam Port for the year 1963-64. The following are the noteworthy features in the Report :—

1. FINANCIAL RESULTS.

(a) *Port Fund*.—The revenue receipts of the port (excluding the Pilotage Account and Special receipt(s) during the

year were Rs. 216.96 lakhs as compared with Rs. 184.68 lakhs during the year 1962-63. The increase in income was mainly due to increase in shipments of iron ore, manganese ore, etc., and also due to more import of machinery parts, iron and steel and heavy materials.

The expenditure (excluding special expenditure and expenditure charged to the Pilotage Account) during the year under review was Rs. 143.33 lakhs as against Rs. 175.20 lakhs in 1962-63. The larger expenditure last year was mainly due to the payment of arrears as a result of the introduction of the revised (Second Pay Commission) scales of pay and expenditure on special repairs to S.D. "Visakha" during the last year.

(b) *Pilotage Account*.—The gross income and expenditure under the Pilotage Account during 1963-64 were Rs. 3.09 lakhs and 2.09 lakhs, respectively, resulting in a surplus of Rs. 1.00 lakhs during the year.

(c) *Reserve Funds*.—The position with regard to the balances in the various funds at the end of the year was satisfactory.

2. TRAFFIC.

(a) *Trade*.—The total dead weight tonnage of imports, which passed through the Port during the year 1963-64, was 18.49 lakhs tonnes as against 17.18 lakhs tonnes in the previous year, registering an increase of 1.31 lakhs tonnes. The increase was mainly due to increase in the import of chemicals other than medicines (Ammonium Sulphate, Sulphur, etc.), food-grains, metals and ores, petroleum products and other imports.

The exports during the year 1963-64 amounted to 16.72 lakhs tonnes as against 15.05 lakhs tonnes in the previous year, registering an increase of 1.67 lakhs tonnes. Manganese and iron ores, jute manufactures, railway materials and sugar were the chief commodities the export of which increased during the year.

S. S. "AUDREY J. LUCUENBACH" discharged 5,822 tonnes of Ammonium phosphate in bags on 11-12-63 working at Q-2 berth. The previous recorded figure for bag cargo was 3,381 tonnes on 28-1-1962.

(b) *Shipping*.—The number of foreign-going vessels, which entered the port during 1963-64, was 206 with a total tonnage of 793,839. The corresponding figures for the previous year were 393 and 1,819,529. 472 coastal vessels with a total tonnage of 2,259,052 visited the port during the year under review as against 208 with a total tonnage of 7,41,647 during 1962-63.

The S. S. "LIFJORD" of length 560' (O.A.), with a gross registered tonnage of 12,369, was the longest vessel and the M. V. "SYSLA" with draft forward 31'-5" and Aft. 31'-4", length 557' (O.A.) and G.R.T. 12,628 was the deepest vessel which entered the port during the year 1963-64.

3. LABOUR.

Relations with labour continued to be satisfactory during the year 1963-64.

4. CAPITAL WORKS.

Capital works of an aggregate value of Rs. 237.07 lakhs were carried out during the year 1963-64 bringing the total Capital Outlay on the port during the post war years to about Rs. 856 lakhs. The most important items covered by the Capital programme of the port during 1963-64 were :—

(i) the construction of four additional berths with provision for mechanisation of ore-handling facilities at the two ore berths,

(ii) lengthening and deepening of the dry dock, and

(iii) long term repairs to break-water.

Works on these items made substantial progress during the year.

5. AMENITIES TO STAFF.

The Port Trust Board's welfare measures covered a vast variety of activities, such as sports, cultural programmes, canteens and rest rooms, clubs, general medical attention, etc. As usual, grants from the staff welfare Fund were given to needy employees, clubs etc.

6. MISCELLANEOUS.

A Port Trust Board was constituted for the port under the Major Port Trust Act, 1963, with effect from the 29th February, 1964. The first meeting of the Board was held on the 18th March, 1964.

7. ACKNOWLEDGEMENT.

The Port Administration performed another year of useful work and Government view with appreciation the work done by the Administration during the year.

ORDER

ORDERED that a copy of the Resolution be communicated to all concerned.

ORDERED also that the Resolution be published in the Gazette of India for general information.

N P MATHUR, Jt. Secy.

**MINISTRY OF INFORMATION AND
BROADCASTING****RESOLUTION**

New Delhi-1, the 9th February 1965

(Evaluation Committee to study the Impact of the measures taken by the Bharat Sevak Samaj and other Non-official voluntary organisations)

No. 1(37)/62-PP.—It has been decided to extend further the term of the Evaluation Committee set up *vide* the Resolution of the Government of India in the Ministry of Information and Broadcasting No. 1(37)/62-PP, dated the 4th December, 1963, up to the end of February, 1965.

ORDER

ORDERED that a copy of this Resolution be published in the Gazette of India and communicated to all the Ministries of Government of India, the State Governments, the Prime

Minister's Secretariat, the Private and Military Secretaries to the President of India, the Planning Commission, etc.

Y. N. VARMA, Jt. Secy

MINISTRY OF IRRIGATION AND POWER**RESOLUTION**

New Delhi, the 9th February 1965

No. DW.II-32(4)/64.—The term of the Committee for drawing up a Master Plan for the optimum and integrated development of the Narmada water resources, set up under this Ministry's Resolution No. DW.II-32(4)/64, dated the 5th September, 1964, is hereby extended upto the 30th April, 1965

ORDER

ORDERED that a copy of the Resolution be communicated to all concerned.

ORDERED also that the Resolution be published in the Gazette of India for general information.

K. G. R. IYER, Jt Secy

